लगन लगी | by Isha Kalra

लगन लगी मोहे लगन लगी
तेरे नाम की मुझको लगन लगी
तेरे रंग में मैं तो रंग ही गयी
तेरी प्रीत में मैं तो डूब गई
तेरी प्रीत का ऐसा रंग चढ़ा
तेरी बंसी की धुन बींद गयी
मेरे अंतर्मन को चीर गई
सांवरिया सांवरिया सांवरिया सांवरिया

यशोदा की आँखों का तारा
अअपने भक्तों का है प्यारा
पालनहारा कृष्ण कन्हैया
तू चितचोर है बंसी बजैया
सांवरिया सांवरिया सांवरिया सांवरिया

चोरी कर माखन खाता तू
भक्तों के चित को चुराता था
काली कमली है बांकी चितवन
वा पे वारूँ मैं तो तन मन
सांवरिया सांवरिया सांवरिया सांवरिया

अच्युतम केशवम कृष्ण दमोदराम
राम नारायणम जानकी वल्लभम
कौन कहता है भगवन आते नहीं
तुम मीरा के जैसे बुलाते नहीं

श्री कृष्ण गोविन्द हरे मुरारी
हे नाथ नारायण वासुदेवा
पित मात स्वामी सखा हमारे
हे नाथ नारायण वासुदेवा

राधे कृष्णा राधे कृष्णा .....।

जो है अलबेला मद नैनो वाला
जिसकी दीवानी ब्रिज की हर बाला
वो किसना है वो किसना है
वो किसना है वो किसना है

गोविन्द बोलो हरी गोपाल बोलो
राधा रमण हरी गोविन्द बोलो

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b2%e0%a4%97%e0%a4%a8-%e0%a4%b2%e0%a4%97%e0%a5%80-by-isha-kalra/